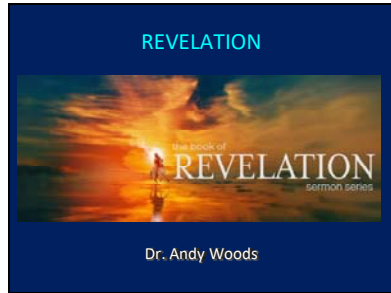


Slide 1



---

---

---

---

---

---

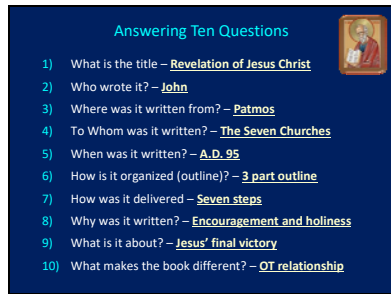
---

---

---

---

Slide 2



---

---

---

---

---

---

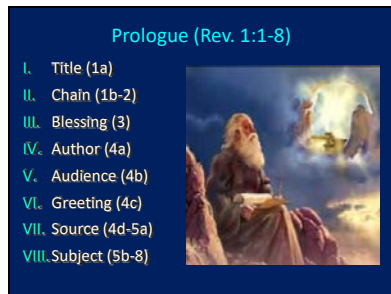
---

---

---

---

Slide 3



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 4

Prologue (Rev. 1:1-8)

- I. Title (1a)
- II. Chain (1b-2)
- III. Blessing (3)
- IV. Author (4a)
- V. Audience (4b)
- VI. Greeting (4c)
- VII. Source (4d-5a)
- VIII. Subject (5b-8)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 5

Revelation 1:1

"The Revelation [*apokalypsis*] of Jesus Christ, which God gave Him to show to His bond-servants, the things which must soon take place; and He sent and communicated it by His angel to His bond-servant John."




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 6

Henry Morris  
*The Revelation Record, 323*

"At the very least, it would be confusing to John's first century readers, as well as to later generations, for him to write so much about Babylon when he really meant Rome (Paul was not afraid to speak directly against Rome in his writings, so why should John be?) or 'the false church' (all the apostles, including John, wrote plainly and scathingly about false teachers and false doctrines in the church and would not hide their teachings by symbols). **It must be stressed that Revelation means "unveiling," not "veiling."** In the absence of any statement in the text to the contrary, therefore, we must assume that the term Babylon applies to the real city of Babylon..."

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 7

BOOK OF DANIEL		
CHAP. & VERSE	CHRONOLOGICAL DATE	BIBLICAL DATE
1:1	605	3 <sup>rd</sup> year of Jehoiakim
2:1	603	2 <sup>nd</sup> year of Nebuchadnezzar
5	Sat. night 10/12/539 (Hoehner)	
7:1	553	1 <sup>st</sup> year of Belshazzar
8:1	551	3 <sup>rd</sup> year of Belshazzar
9:1	538	1 <sup>st</sup> year of Darius
10:1	536	3 <sup>rd</sup> year of Cyrus

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 8

Daniel's Age		
CHAP.	EVENTS	AGE
1	Taken to Babylonian captivity	15
2	Interpreting Nebuchadnezzar's 1 <sup>st</sup> dream (huge image)	17
3	Daniel's 3 friends cast into the fiery furnace	19 or 20
4	Interpreting Nebuchadnezzar's 2nd dream (huge tree)	45-50
5	Interpreting handwriting of the wall at Belshazzar's feast	Early 80's
6	Delivered from the den of lions	c.83
7-8	Daniel's visions and dreams	Mid-60's
9	Daniel's seventy "sevens" prophecy	Early-80's
10-12	Final dreams and visions	Mid-80's

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 9




---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 10

**Revelation 19:10**

"Then I fell at his feet to worship him. But he said to me, 'Do not do that; I am a fellow servant of yours and your brethren who hold the testimony of Jesus; worship God. For the testimony of Jesus is the spirit of prophecy.'"



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 11

**Prologue (Rev. 1:1-8)**

- I. Title (1a)
- II. **Chain (1b-2)**
- III. Blessing (3)
- IV. Author (4a)
- V. Audience (4b)
- VI. Greeting (4c)
- VII. Source (4d-5a)
- VIII. Subject (5b-8)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 12

**Method of Communication**

- From the Father
- to Christ the Son
- to an angel
- to John
- to a book
- to a reader or preacher
- to a listener or the seven churches



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 13




---



---



---



---



---



---



---

Slide 14




---



---



---



---



---



---



---

Slide 15

**"TIME-TEXTS" IN REVELATION**  
R.C. Sproul, The Last Days According to Jesus, p.139

<b>SHORTLY, QUICKLY "Tacos"</b>	
1:1	...Things which must shortly take place
2:16	Repent, or else I will come to you quickly.
3:11	Behold, I come quickly!
22:6	...Which must shortly take place.
22:7	Behold, I come quickly!
22:12	Behold, I am coming quickly!
22:20	Surely, I am coming quickly!
<b>NEAR, AT HAND "Engys"</b>	
1:3	The time is near.
22:10	The time is at hand.
<b>ABOUT TO, ON THE POINT OF "MeHg"</b>	
1:19	Write...the things that are about to take place.
3:10	...the hour of trial...is about to come upon the whole world.

---



---



---



---



---



---




---

Slide 16

**Chronological Versus Adverbial Use of *Tacos***

- "I hope to come to you *soon*" (1 Tim 3:14) vs. "Leave Jerusalem *quickly*" (Acts 22:18)
- LXX
  - ◆ Isaiah 13:22: "Her fateful time also will *soon* come"
  - ◆ Isaiah 51:5: "My righteous is *near*, My salvation has gone forth, And my arms will judge the peoples; The coastlands will wait upon me, And on My arms they will trust."



Thomas Ice, *End Times Controversy*, pp.102-108

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 17

**Imminency**

- Engys: "The Lord is *near*" (Phil 4:5)
- Mellō: "and one who will share in the glory to be revealed" (1 Pet 5:1)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 18

**Method of Communication**

- From the Father
- to Christ the Son
- to an angel
- to John
- to a book
- to a reader or preacher
- to a listener or the seven churches




---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 19

Revelation 19:10

"Then I fell at his feet to worship him. But he said to me, 'Do not do that; I am a fellow servant of yours and your brethren who hold the testimony of Jesus; worship God.' For the testimony of Jesus is the spirit of prophecy."




---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 20

Method of Communication

- From the Father
- to Christ the Son
- to an angel
- to John
- to a book
- to a reader or preacher
- to a listener or the seven churches




---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 21

Prologue (Rev. 1:1-8)

- I. Title (1a)
- II. Chain (1b-2)
- III. **Blessing (3)**
- IV. Author (4a)
- V. Audience (4b)
- VI. Greeting (4c)
- VII. Source (4d-5a)
- VIII. Subject (5b-8)




---

---

---

---

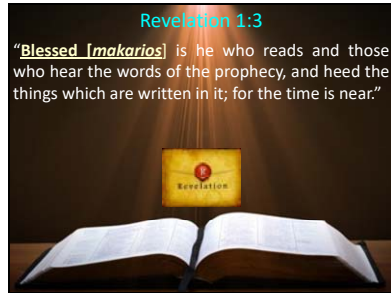
---

---

---

---

Slide 22



---

---

---

---

---

---

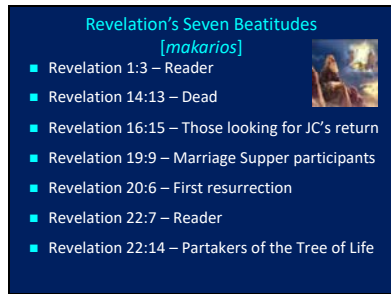
---

---

---

---

Slide 23



---

---

---

---

---

---

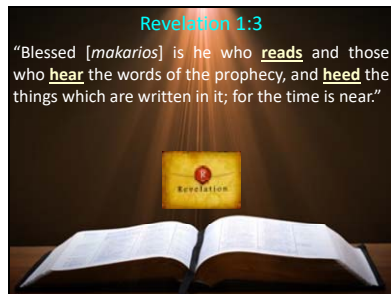
---

---

---

---

Slide 24



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---



Slide 25

### Method of Communication

- From the Father
- to Christ the Son
- to an angel
- to John
- to a book
- to a reader or preacher
- to a listener or the seven churches



---

---

---

---

---

---

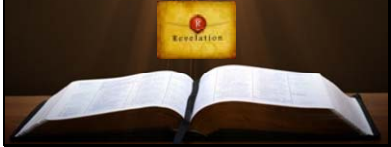
---

---

Slide 26

### Revelation 1:3

“Blessed [*makarios*] is he who reads and those who hear the words of the **prophecy**, and heed the things which are written in it; for the time is near.”



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 27

### Apocalyptic Books

- *Enoch*
- *Apocalypse of Baruch*
- *Jubilees*
- *Assumption of Moses*
- *Psalms of Solomon*
- *Testament of the Twelve Patriarchs*
- *Sibylline Oracles*



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 28

**Emergent Eschatology and Genre**

"The book of Revelation is an example of popular literary genre of ancient Judaism, known today as Jewish apocalyptic. Trying to read it without understanding its genre would be like watching *Star Trek* or some other science fiction show thinking it was a historical documentary...instead of being a book about the distant future, it becomes a way of talking about the challenges of the immediate present."



Brian McLaren, *The Secret Message of Jesus*, 175-76

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 29

**Steve Gregg**  
Revelation: Four Views, 11

"Another obvious similarity between the Apocalypse and its uninspired counterparts is the use of vivid images and symbols...in depicting the conflict between good and evil. A failure to take in to account this feature has led some to the most outlandish teachings on this book by some whose rule of interpretation is 'literal unless absurd.' Though this is a good rule when dealing with literature written in a literal genre, it is the exact opposite in the case of apocalyptic literature, where symbolism is the rule and literalism is the exception."



---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 30

**Kenneth Gentry**  
Four Views of Revelation, p. 38.



"...the preterist view does understand Revelation's prophecies as strongly reflecting actual historical events in John's near future, though they are set in apocalyptic drama and clothed in poetic hyperbole."

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 31

**Robert Thomas**  
"A Classical Dispensationalist View of Revelation," in  
Four Views of the Book of Revelation, p.181.



"A Preterist approach must assume an apocalyptic genre in which the language only faintly and indirectly reflects the actual events. This extreme allegorical interpretation allows for finding fulfillments in the first-century Roman Empire prior to the destruction of Jerusalem in A.D. 70."

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 32

**Revelation 1:3**

"Blessed [*makarios*] is he who reads and those who hear the words of the prophecy, and heed the things which are written in it; for the time is **near** [*engys*]."



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 33

**Imminency**

- Engys: "The Lord is *near*" (Phil 4:5)
- Mellō: "and one who will share in the glory to be revealed" (1 Pet 5:1)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 34

Prologue (Rev. 1:1-8)

- I. Title (1a)
- II. Chain (1b-2)
- III. Blessing (3)
- IV. **Author (4a)**
- V. Audience (4b)
- VI. Greeting (4c)
- VII. Source (4d-5a)
- VIII. Subject (5b-8)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 35

Johannine Authorship

- Named 5x
- Revelation 1:1, 4, 9; 21:2; 22:8
- Wrote five New Testament books




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 36

Prologue (Rev. 1:1-8)

- I. Title (1a)
- II. Chain (1b-2)
- III. Blessing (3)
- IV. Author (4a)
- V. **Audience (4b)**
- VI. Greeting (4c)
- VII. Source (4d-5a)
- VIII. Subject (5b-8)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 37



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 38

Literal Geography in Revelation			
<i>Thomas, Revelation 8 to 22: An Exegetical Commentary, 206-207.</i>			
Asia	1:4	Sardis	3:1
Ephesus	2:1	Philadelphia	3:7
Smyrna	2:8	Laodicea	3:14
Pergamum	2:12	Euphrates	9:14;16:12
Thyatira	2:18	Armageddon	16:16

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 39

Prologue (Rev. 1:1-8)

- I. Title (1a)
- II. Chain (1b-2)
- III. Blessing (3)
- IV. Author (4a)
- V. Audience (4b)
- VI. Greeting (4c)
- VII. Source (4d-5a)
- VIII. Subject (5b-8)

An illustration of John the Apostle, an elderly man with a long white beard, wearing a purple robe, sitting on a rock and writing in a book. In the background, a bright, glowing light emanates from a cloud, with a figure appearing to be in the light.

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 40

Prologue (Rev. 1:1-8)

- I. Title (1a)
- II. Chain (1b-2)
- III. Blessing (3)
- IV. Author (4a)
- V. Audience (4b)
- VI. Greeting (4c)
- VII. Source (4d-5a)
- VIII. Subject (5b-8)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 41

VII. Source of the Message (Rev. 1:4d-5a)

- A. From the Father (4d)
- B. From the Spirit (4e)
- C. From the Son (5a)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

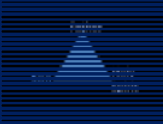
---

---

Slide 42

VII. Source of the Message (Rev. 1:4d-5a)

- A. From the Father (4d)
- B. From the Spirit (4e)
- C. From the Son (5a)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 43

VII. Source of the Message (Rev. 1:4d-5a)

- A. From the Father (4d)
- B. **From the Spirit (4e)**
- C. From the Son (5a)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 44

VII. Source of the Message (Rev. 1:4d-5a)

- A. From the Father (4d)
- B. From the Spirit (4e)
- C. **From the Son (5a)**



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 45

Prologue (Rev. 1:1-8)

- I. Title (1a)
- II. Chain (1b-2)
- III. Blessing (3)
- IV. Author (4a)
- V. Audience (4b)
- VI. Greeting (4c)
- VII. Source (4d-5a)
- VIII. **Subject (5b-8)**



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 46

VII. Subject of the Message (Rev. 1:5b-8)

- A. Who He is (5d-e)
- B. His past work (5f-6)
- C. His future work (7)
- D. His sovereignty (8)



---

---

---

---

---

---

---

---

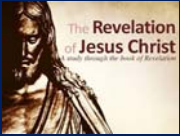
---

---

Slide 47

VII. Subject of the Message (Rev. 1:5b-8)

- A. Who He is (5d-e)
- B. His past work (5f-6)
- C. His future work (7)
- D. His sovereignty (8)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 48

A. Who He is (Rev. 1:5b-e)

1. Faithful witness (5b)
2. First born from the dead (5c)
3. Ruler of the Kings of the Earth (5d)
4. The One who loves us (5e)



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---



Slide 49

A. Who He is (Rev. 1:5b-e)

1. Faithful witness (5b)
2. First born from the dead (5c)
3. Ruler of the Kings of the Earth (5d)
4. The One who loves us (5e)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 50

A. Who He is (Rev. 1:5b-e)

1. Faithful witness (5b)
2. First born from the dead (5c)
3. Ruler of the Kings of the Earth (5d)
4. The One who loves us (5e)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 51

A. Who He is (Rev. 1:5b-e)

1. Faithful witness (5b)
2. First born from the dead (5c)
3. Ruler of the Kings of the Earth (5d)
4. The One who loves us (5e)



---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 52



**Names & Titles Demonstrating Satan's Post-Fall, Earthly Authority**  
(Job 1:7; 2:2; Luke 4:5-8; Rom. 8:19-22)

- Prince of this world (John 12:31; 14:30; 16:11)
- God of this age (2 Cor. 4:4)
- Prince and power of the air (Eph. 2:2)
- Who the believer wrestles with (Eph. 6:12)
- Roaring lion (1 Pet. 5:8)
- Whole world lies in his power (1 John 5:19)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 53

**A. Who He is (Rev. 1:5b-e)**

1. Faithful witness (5b)
2. First born from the dead (5c)
3. Ruler of the Kings of the Earth (5d)
4. The One who loves us (5e)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 54

**VII. Subject of the Message (Rev. 1:5b-8)**

- A. Who He is (5d-e)
- B. His past work (5f-6)
- C. His future work (7)
- D. His sovereignty (8)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 55

B. His Past Work (Rev. 1:5f-6)

1. Released us from our sins by His blood (5f)
2. Made us into a Kingdom of Priests (6)



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 56

B. His Past Work (Rev. 1:5f-6)

1. Released us from our sins by His blood (5f)
2. Made us into a Kingdom of Priests (6)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 57

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 58

**Christ's Atoning Death**

1. Role of Christ's blood in the atonement
  - ◆ Acts 20:28
  - ◆ Rom 5:9; Eph 1:7; 2:13; Col 1:20
  - ◆ Heb 9:12, 22; 1 Pet 1:2; 1 John 1:7
  - ◆ Rev 1:5; 5:9; 12:11
2. Free to us but expensive to Him
3. Significance of the Lord's Table (1 Cor 11:23-26)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 59

**B. His Past Work (Rev. 1:5f-6)**

1. Released us from our sins by His blood (5f)
2. Made us into a Kingdom of Priests (6)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 60

**Revelation 5:10**

<sup>10</sup> "You have made them to be a kingdom and priests to our God; and they will reign [*basileuō*] upon the earth [*gē*]."



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 61

Revelation 11:15

<sup>15</sup> "Then the seventh angel sounded; and there were loud voices in heaven, saying, The kingdom of the world has become the kingdom of our Lord and of His Christ; and He will reign forever and ever."



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 62

VII. Subject of the Message (Rev. 1:5b-8)

- A. Who He is (5d-e)
- B. His past work (5f-6)
- C. His future work (7)
- D. His sovereignty (8)



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 63

C. His Future Work (Rev. 1:7)

- 1. His coming in the clouds (7a)
- 2. His revelation to the Gentiles (7b)
- 3. His revelation to the Jews (7c)



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 64

**C. His Future Work (Rev. 1:7)**

1. His coming in the clouds (7a)
2. His revelation to the Gentiles (7b)
3. His revelation to the Jews (7c)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 65

<b>Rapture Distinct from Second Advent</b>	
<b>Rapture (1 Thess 4:13-17; 1 Cor 15:51-57)</b>	<b>Second Coming (Rev 19:11-16)</b>
Christ comes in the air (1 Thess 4:16)	Christ comes to the earth (Zech 14:4)
For His saints (1 Thess 4:15-17)	With His saints (Rev 19:14)
Blessing (1 Thess 4:18)	Judgment (Rev 19:15)
Effects only believers (1 Thess 4:16)	Effects both believers and unbelievers (Rev 19:15)
Invisible (1 Thess 4:16)	Visible to all (Rev 1:7)
Announced only by an archangel (1 Thess 4:16)	Involves myriads of angels (Jude 14)
Resurrection (1 Cor 15: 51)	No resurrection
Rescue of the church (1 Thess 1:10)	Rescue of Israel (Matt 23:37-39)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 66

**C. His Future Work (Rev. 1:7)**

1. His coming in the clouds (7a)
2. His revelation to the Gentiles (7b)
3. His revelation to the Jews (7c)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 67

C. His Future Work (Rev. 1:7)

1. His coming in the clouds (7a)
2. His revelation to the Gentiles (7b)
3. His revelation to the Jews (7c)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 68

God's Work Through Israel

- Revelation 7 – 144,000 Jews
- Revelation 11 – Two Jewish witnesses
- Revelation 12 – Israel flees
- Revelation 20:9 – Jerusalem in the kingdom
- Revelation 21:12 – 13-Gates of the eternal city



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 69

VII. Subject of the Message (Rev. 1:5b-8)

- A. Who He is (5d-e)
- B. His past work (5f-6)
- C. His future work (7)
- D. His sovereignty (8)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 70

C. His Sovereignty (Rev. 1:8)

1. He is the Alpha and Omega (8a)
2. He is the Eternally Existent One (8b)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 71

C. His Sovereignty (Rev. 1:8)

1. He is the Alpha and Omega (8a)
2. He is the Eternally Existent One (8b)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 72

C. His Sovereignty (Rev. 1:8)

1. He is the Alpha and Omega (8a)
2. He is the Eternally Existent One (8b)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

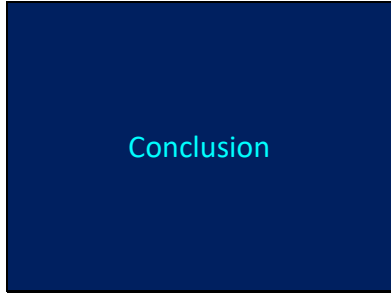
---

---

---



Slide 73




---

---

---

---

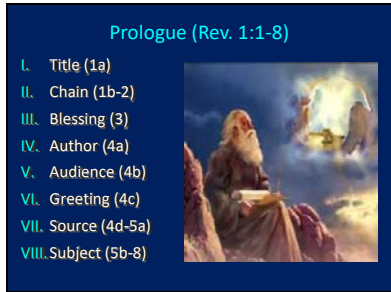
---

---

---

---

Slide 74




---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 75




---

---

---

---

---

---

---

---

Title 1b-2

Amos 3:7-Surely the Lord [i]GOD does nothing Unless  
He reveals His secret counsel To His servants the prophets.

John 15:5-No longer do I call you slaves, for the slave does not  
know what his master is doing; but I have called you friends,  
for all things that I have heard from My Father I have made  
known to you.

1 John 5:21-Little children, guard yourselves from idols.

Rev. 22:8-9-<sup>8</sup> I, John, am the one who heard and saw these  
things. And when I heard and saw, I fell down to worship at the  
feet of the angel who showed me these things. <sup>9</sup> But he \*said to  
me, “Do not do that. I am a fellow servant of yours and of your  
brethren the prophets and of those who [f]heed the words of this  
book. Worship God.”

### Blessing-3

Rev. 2:1-To the angel of the church in Ephesus write.

Matt. 11:10-This is the one about whom it [k]is written,  
‘BEHOLD, I SEND MY MESSENGER [l]AHEAD OF YOU, WHO WILL  
PREPARE YOUR WAY BEFORE YOU.

John 13:17-If you know these things, you are blessed if you do  
them.

Jas. 1:22-24-<sup>22</sup> But prove yourselves doers of the word, and not  
merely hearers who delude themselves. <sup>23</sup> For if anyone is a  
hearer of the word and not a doer, he is like a man who looks at  
his [x]natural face in a mirror; <sup>24</sup> for *once* he has looked at himself  
and gone away, [y]he has immediately forgotten what kind of  
person he was.

#### Author-4a

Luke 9:51-56-<sup>51</sup> When the days were approaching for His [ad]ascension, He [ae]was determined to go to Jerusalem; <sup>52</sup> and He sent messengers on ahead of Him, and they went and entered a village of the Samaritans to [af]make arrangements for Him. <sup>53</sup> But they did not receive Him, because [ag]He was traveling toward Jerusalem. <sup>54</sup> When His disciples James and John saw *this*, they said, “Lord, do You want us to command fire to come down from heaven and consume them?” <sup>55</sup> But He turned and rebuked them, [ah]and said, “You do not know what kind of spirit you are of; <sup>56</sup> for the Son of Man did not come to destroy men’s lives, but to save them.”] And they went on to another village.

1 John 4:8-The one who does not love does not know God, for God is love.

#### Greeting-4c

Rom. 5:1-Therefore, having been justified by faith, [a]we have peace with God through our Lord Jesus Christ

Rom. 5:10-For if while we were enemies we were reconciled to God through the death of His Son, much more, having been reconciled, we shall be saved [f]by His life.

#### Source -4d-5a

Exod. 3:14-15-<sup>14</sup> God said to Moses, “[g]I AM WHO [h]I AM”; and He said, “Thus you shall say to the sons of Israel, ‘[i]I AM has sent me to you.’” <sup>15</sup> God, furthermore, said to Moses, “Thus you shall say to the sons of Israel, ‘The LORD, the God of your fathers, the God of Abraham, the God of Isaac, and the God of

Jacob, has sent me to you.’ This is My name forever, and this is My memorial-name <sup>ii</sup>to all generations.

Heb. 1:14-Are they not all ministering spirits, sent out to render service for the sake of those who will inherit salvation?

Isa. 11:2-The Spirit of the LORD will rest on Him, The spirit of wisdom and understanding, The spirit of counsel and strength, The spirit of knowledge and the fear of the LORD.

### Subject-5b-8

#### Who He is-5b-e

1 John 1:9-If we confess our sins, He is faithful and righteous to forgive us our sins and to cleanse us from all unrighteousness.

1 Cor. 15:20, 23-<sup>20</sup> But now Christ has been raised from the dead, the first fruits of those who are asleep...<sup>23</sup> But each in his own order: Christ the first fruits, after that those who are Christ’s at His coming.

Ps. 89:27-I also shall make him *My* firstborn, The highest of the kings of the earth.

Matt. 2:6-‘AND YOU, BETHLEHEM, LAND OF JUDAH, ARE BY NO MEANS LEAST AMONG THE LEADERS OF JUDAH; FOR OUT OF YOU SHALL COME FORTH A RULER WHO WILL SHEPHERD MY PEOPLE ISRAEL.’”

Rev. 17:14-These will wage war against the Lamb, and the Lamb will overcome them, because He is Lord of lords and King of kings, and those who are with Him *are the* called and chosen and faithful.

Rev. 19:16-And on His robe and on His thigh He has a name written, “KING OF KINGS, AND LORD OF LORDS.”

Mark 10:21- Looking at him, Jesus felt a love for him and said to him, “One thing you lack: go and sell all you possess and give to the poor, and you will have treasure in heaven; and come, follow Me.”

1 John 4:8-The one who does not love does not know God, for God is love.

### **Future work-7**

Matt. 24:29-30-<sup>29</sup> “But immediately after the tribulation of those days THE SUN WILL BE DARKENED, AND THE MOON WILL NOT GIVE ITS LIGHT, AND THE STARS WILL FALL from <sup>[r]</sup>the sky, and the powers of <sup>[s]</sup>the heavens will be shaken.<sup>30</sup> And then the sign of the Son of Man will appear in the sky, and then all the tribes of the earth will mourn, and they will see the SON OF MAN COMING ON THE CLOUDS OF THE SKY with power and great glory.

Zech. 12:10-I will pour out on the house of David and on the inhabitants of Jerusalem, <sup>[h]</sup>the Spirit of grace and of supplication, so that they will look on Me whom they have pierced; and they will mourn for Him, as one mourns for an only son, and they will weep bitterly over Him like the bitter weeping over a firstborn.

### **Sovereignty-8**

John 1:3-All things came into being through Him, and apart from Him nothing came into being that has come into being.

Col. 1:16-For <sup>[x]</sup>by Him all things were created, *both* in the heavens and on earth, visible and invisible, whether thrones or dominions or rulers or authorities—all things have been created through Him and for Him.

Heb. 1:2-in these last days has spoken to us <sup>[b]</sup>in His Son, whom He appointed heir of all things, through whom also He made the <sup>[c]</sup>world.

Rev. 5:6-And I saw <sup>[g]</sup>between the throne (with the four living creatures) and the elders a Lamb standing, as if slain, having seven horns and seven eyes, which are the seven Spirits of God, sent out into all the earth.

Rev. 5:9-And they \*sang a new song, saying, “Worthy are You to take the <sup>[i]</sup>book and to break its seals; for You were slain, and purchased for God with Your blood *men* from every tribe and tongue and people and nation.”

Col. 1:17-He <sup>[y]</sup>is before all things, and in Him all things <sup>[z]</sup>hold together.

Rev. 17:14-These will wage war against the Lamb, and the Lamb will overcome them, because He is Lord of lords and King of kings, and those who are with Him *are the* called and chosen and faithful.

Rev. 19:16-And on His robe and on His thigh He has a name written, “KING OF KINGS, AND LORD OF LORDS.”

Rev. 22:13- I am the Alpha and the Omega, the first and the last, the beginning and the end.

Rev. 22:16- “I, Jesus, have sent My angel to testify to you these things <sup>[h]</sup>for the churches. I am the root and the descendant of David, the bright morning star.”

### Conclusion

Num. 6:24-26-The LORD bless you, and keep you;

<sup>25</sup> The LORD make His face shine on you, And be gracious to

you; <sup>26</sup> The LORD lift up His countenance on you, And give you peace.